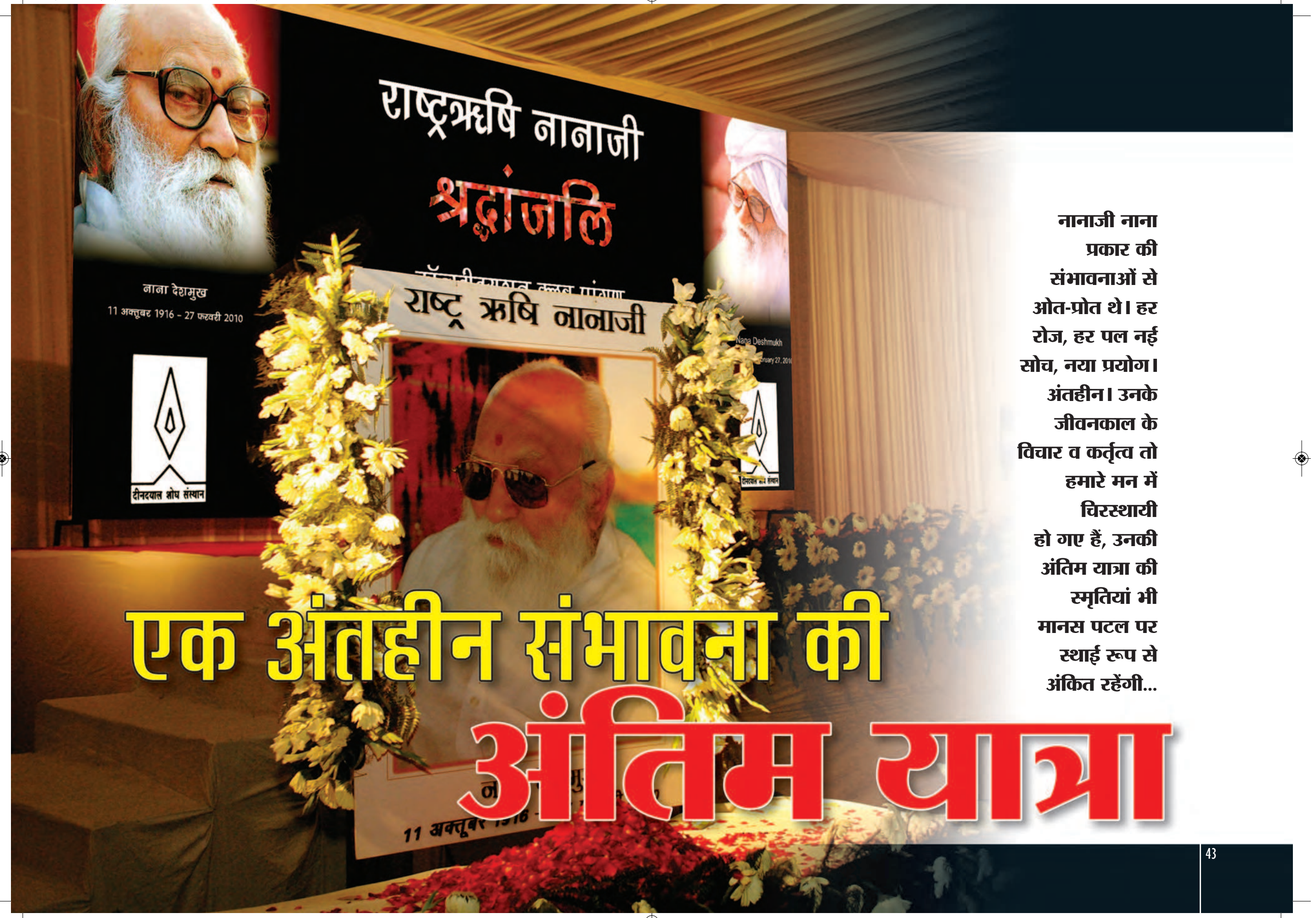

एक अंतहीन संभावना की अंतिम यात्रा

नानाजी नाना प्रकार की संभावनाओं से ओत-प्रोत थे। हर रोज, हर पल नई सोच, नया प्रयोग। अंतहीन। उनके जीवनकाल के विचार व कर्तृत्व तो हमारे मन में चिरस्थायी हो गए हैं, उनकी अंतिम यात्रा की स्मृतियां भी मानस पटल पर स्थाई रूप से अंकित रहेंगी...